सरकारी व निजी चिकित्सकों की हड़ताल जारी

आर.टी.एच. के प्रस्तावित विधेयक को वापस लेने की मांग करी बुलंद

पावटा उपखण्ड में डॉक्टरों की हड़ताल से मरीज परेशान रहे।

चिकित्सकों की हड़ताल को लेकर निवाई के अस्पताल में लगी रोगियों की कतारें।

पावटा, (निसं)। राजस्थान में राइट टू हैल्थ प्रस्तावित विधेयक के विरोध में बुधवार को पूरे पावटा उपखंड सहित आस पास के क्षेत्रों में मेडिकल सेवाएं बंद रहीं। प्राइवेट हॉस्पिटल के डॉक्टरों के समर्थन में सरकारी हॉस्पिटल के सभी रैंक के डॉक्टरों ने बुधवार को पूरे दिन सामूहिक कार्य बहिष्कार किया। इस कारण पावटा उपखंड सहित आस पास के क्षेत्रों में पीएचसी, सीएचसी, उप जिला हॉस्पिटल, जिला हॉस्पिटल और मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पतालों में ओपीडी सर्विस बंद रही।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पावटा प्रभारी डॉ. देवेंद्र शर्मा ने बताया कि मेडिकल ऑफिसर और पीएचसी-सीएचसी के डॉक्टर्स की यूनियन अखिल राजस्थान सेवारत चिकित्सक संघ अरिसदा के आव्हान पर बंद के दौरान केवल ओपीडी का बहिष्कार रहा। इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को इलाज दिया गया। इसके लिए हमने यहां व्यवस्थाएं करते हुए डॉक्टर्स की राउंड दी क्लॉक ड्यूटी लगाई थी। ऐसे

- पावटा उपखंड सहित आस-पास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं चरमराई

में बुधवार को मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ी।

वहीं भाजपा पूर्व प्रदेश महा मंत्री कुलदीप धनकड़ ने मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को अवगत करवाते हुए राजस्थान में निजी अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा राईट टू हैल्थ बिल विधानसभा में पारित होने के बावजूद बिल के विरोध में हडताल-प्रर्दशन किये जा रहे है जिससे मरीजों के समक्ष गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। स्वास्थ्य सेवाओं की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए चिकित्सकों की मांग को सुनकर शीघ्र वार्ता करके उचित समाधान की मांग की।

निवाई में भी चिकित्सक हड़ताल पर रहे

निवाई, (निसं)। राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में बुधवार को राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय में भी चिकित्सक हड़ताल पर रहे।

राजस्थान में कई सालों बाद प्राइवेट और सरकारी अस्पताल के चिकित्सक एक साथ सामूहिक हड़ताल पर हैं। प्रदेश के आव्हान पर सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों ने एक दिन के लिए ओपीडी सर्विस का बहिष्कार किया। ओपीडी सेवा बंद कर

- मरीजों को देखने के लिए वैकल्पिक रूप से चार चिकित्सक लगाए

देने से मरीजों को परेशानी उठानी पडी। ब्लॉक सीएमएचओ शैलेंद्र चौधरी ने बताया कि सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों द्वारा राइट टू हेल्थ का विरोध किया जा रहा है जिसके तहत चिकित्सकों ने ओपीडी सर्विस बंद की है। लेकिन अस्पताल में अन्य जिलों से मरीजों को देखने के लिए चिकित्सक लगाए गए हैं। वैकल्पिक व्यवस्था के लिए लगाए गए चिकित्सक अस्पताल में आने वाले मरीजों का इलाज कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि लगाए गए चिकित्सकों ने ओपीडी में रोगियों का इलाज किया। डॉ. के के विजय ने बताया कि राजस्थान के चिकित्सकों द्वारा राइट टू हेल्थ का विरोध किया जा रहा है।

निजी अस्पताल में ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं बंद रही

जालोर, (कासं)। जिला मुख्यालय स्थित राजकीय अस्पताल के सभी डॉक्टर भी राइट टू हेल्थ प्रस्तावित विधेयक को लेकर निजी डॉक्टरों के समर्थन को लेकर सरकारी डॉक्टर हडताल पर रहे। वहीं अस्पताल में पीएमओ ने चिकित्सा व्यवस्था का बीड़ा उठाया है। वहीं 21 डॉक्टरों के हडताल पर चले जाने से चिकित्सा व्यवस्था चरमरा गई है। जालोर में राइट टू हेल्थ प्रस्तावित विधेयक के विरोध में निजी अस्पताल में ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं बंद हैं। निजी अस्पताल के डॉक्टर्स बिल का विरोध कर रहे हैं। उनके समर्थन में पिछले 2 दिन से जालोर के रेजिडेंट डॉक्टर भी दो-दो घंटे कार्य बहिष्कार कर रहे थे।

पीएमओ डॉ. पूनम टॉक ने बताया कि अस्पताल के 21 डॉक्टर राइट टू हेल्थ प्रस्तावित विधेयक के विरोध में और निजी डॉक्टर और अस्पताल संचालकों के समर्थन में हडताल पर चले गए हैं। उन्होंने बताया कि डॉ. एसएल सुथार, डॉ. नेंनमल परमार, डॉ. विकास काला सहित 7 अन्य डॉक्टर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसलिए मरीजों को किसी प्रकार की समस्या नहीं हो रही है। 21 डॉक्टरों द्वारा हड़ताल पर जाने से सरकारी अस्पताल की व्यवस्था में कई समस्याएं भी हुई। हडताल के बीच स्वास्थ्य विभाग ने मेडिकल कॉलेजों के प्रिंसिपलों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि ओपीडी, आईपीडी, आईसीयू, इमरजेंसी और प्रसूति वार्ड में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों। सायला में राज्य सरकार की ओर से विधानसभा में पारित किए गए 'राइट टू हेल्थ' बिल का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। उपखण्ड मुख्यालय पर स्थित सभी प्राइवेट हॉस्पिटल पर ताले लटक रहे है। वहीं सरकारी चिकित्सक बुधवार को सामूहिक रूप से कार्य बहिष्कार कर हडताल पर रहे।

पाली में डॉक्टर्स ने काली पट्टी बांध किया काम

पाली, (नि.सं.)। राइट टू हेल्थ प्रस्तावित विधेयक को लेकर विरोध में बुधवार को भी बांगड़ हॉस्पिटल के डॉक्टर्स सुबह 9 से 11 बजे तक कार्य बहिष्कार पर रहे। उसके बाद डॉक्टर्स ने काली पट्टी बांध आउटडोर में ड्यूटी देते नजर आए। निजी हॉस्पिटल में बुधवार को भी सन्नाटा पसरा नजर आया।

निजी क्लिनक चलाने वाले डॉक्टर्स भी पूरे दिन हड़ताल पर रहे। वहीं सुमेरपुर में एक निजी हॉस्पिटल के डॉक्टर ने चाय बेच विरोध जताया। तखतगढ़ में एक गर्भवती महिला की रेफर करने के दौरान मौत हो गई। पाली में बांगड़ हॉस्पिटल के डॉक्टर बुधवार को भी दो घंटे कार्य बहिष्कार पर रहे और निजी हॉस्पिटल में अभी भी सन्नाटा पसरा हुआ है। ऐसे में बांगड़ हॉस्पिटल में मरीजों का वर्क लोड कुछ बढ़ा हुआ है। जहर खाने वाली

- तखतगढ़ में महिला की मौत, सुमेरपुर में डॉक्टर ने चाय बेचकर विरोध जताया

गर्भवती महिला और सड़क हादसे में घायल हुए युवक को ट्रोमा वार्ड से प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया।

बांगड़ हॉस्पिटल में चिकित्सा व्यवस्था कंट्रोल में नजर आई। सुबह के करीब साढ़े 11 बज रहे थे। बांगड़ हॉस्पिटल के नए आउडडोर में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ ओपी शाह, नेत्ररोग विशेषज्ञ विपुल नागर, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिरूद्ध, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ योगी मरीज देखते नजर आए। बुधवार को आउटडोर में अपेक्षाकृत कम रोगी देखने को मिली। यहां से हम हॉस्पिटल के पुराने में गए। वहां मरीजों की भीड़ देखने को मिली। रेजिडेंट डॉक्टर्स के साथ वरिष्ठ डॉ प्रवीण गर्ग यहां व्यवस्था संभाले नजर आए। गायानिक आउटडोर में डॉ शिवचरण मीणा और रेजिडेंट डॉक्टर बैठे नजर आए। यहां टीकाकरण के लिए लाइन देखने को मिली।

गर्भवती महिला ने खाया जहर, जोधपुर रेफर :- हॉस्पिटल के सभी आउटडोर में घूमकर ट्रोमा वार्ड में पहुंचे तो यहां एक्सीडेंट में घायल हुए 4 जनों का इलाज डॉ जोनसन व अन्य डॉक्टर करते नजर आए। एक गंभीर घायल को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया। इतने में एक गर्भवती महिला के जहर खाने का केस आ गया। हालत गंभीर होने पर उसे भी प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया।

ऑपरेशन के लिए इन्तजार :- बिना पहचान बताए एक मरीज के परिजन ने बताया कि उनके पिता का पैर टूट गया। तीन दिन हो गए। हॉस्पिटल में भर्ती है ऑपरेशन होना है लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ। इसी तरह हड्डी वार्ड में भर्ती एक वृद्ध महिला के परिजनों को भी ऑपरेशन का इन्तजार पिछले करीब पांच दिनों से करना पड़ रहा है

बांगड़ हॉस्पिटल में व्यवस्था माकूल :- बांगड़ हॉस्पिटल की व्यवस्था को लेकर हॉस्पिटल के प्रबंधक डॉ पीसी व्यास ने कहा कि हॉस्पिटल में व्यवस्था ठीक है। डॉक्टर्स सुबह 9 से 11 बजे तक हड़ताल पर रहे। उसके बाद उन्होंने आउटडोर में ड्यूटी दी है। उन्होंने आउटडोर का निरीक्षण भी किया।

आयुष चिकित्सकों ने अस्पताल में मोर्चा संभाला

राजगढ़, (निसं)। राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों की हड़ताल के चलते बुधवार को आयुष चिकित्सकों ने पुरुष एवं महिला चिकित्सालय में मोर्चा संभाला। चिकित्सकों की हड़ताल के चलते उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश मीणा ने चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पुरुष चिकित्सालय में आयुष चिकित्सक चेतन प्रधान एवं भूपेंद्र मीणा ने एवं महिला चिकित्सालय में चिकित्सक उर्मिला मीणा, भावना व्यास ने मरीजों का उपचार किया। स्टाफ नर्स की ओर से महिलाओं की डिलीवरी भी कराई गई। उपखंड अधिकारी ने चिकित्सालय कर्मचारियों से पंजीकरण काउंटर के बाहर छाया के अभाव में हो रही परेशानी व अन्य समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। बुधवार को दोनों चिकित्सालय में करीब 400 रोगियों का उपचार एवं निदान किया गया।

थाने में युवक ने लगाई फांसी

उदयपुर, (कासं)। पूछताछ के लिए थाने लेकर आए युवक ने हवालात में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। युवक ने आत्महत्या के लिए अपनी जूतों की लैस से फंदा बनाया और लटक गया। पुलिस ने मृतक के शव को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया है। गुमशुदगी मामले में युवक को पूछताछ के लिए थाने लेकर आए थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को जिले के परसाद पुलिस थाने के हवालात में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। युवक को फंदे से नीचे उतार परसाद चिकित्सालय से रैफर करवा एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के झल्लारा पुलिस थाने के कोठार गांव निवासी अर्जुन मीणा (28) पुत्र केवजी मीणा दो माह पूर्व परसाद थाना क्षैत्र ढेलाई गांव निवासी महिला को भगा ले गया था। इस पर परसाद पुलिस थाने में गुमुशगी दर्ज हुई थी। बताया जाता है कि बुधवार सवेरे पुलिस अर्जुन व महिला को दस्तियाब कर थाने लेकर आई थी। जहां अर्जुन को हवालात में डाल दिया था। दोपहर में महिला के पूछताद करने का पता चलने पर अर्जुन ने अपने जूते की लैस से हवालात में फांसी लगा ली। इसको देख एएसआई अशोक मय जाप्ता ने उसे परसाद चिकित्सालय पहुंचाया। जहां उसे मृत घोषित करने पर एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया।

चिकित्सकों की हड़ताल ने निगली एक जिंदगी

सूरजगढ़, (निसं)। निजी चिकित्सकों की हड़ताल ने इलाज के अभाव में एक जिंदगी निगल ली। सज्जन भड़िया ने बताया कि घरडू निवासी नगेश भड़िया (36) पुत्र देवकरण भड़िया का हाल ही में दिल्ली मैक्स हॉस्पिटल में लीवर ट्रांसप्लांट हुआ था। अचानक 28 मार्च की शाम को नगेश को सांस लेने में तकलीफ हुई। जिस पर दिल्ली मैक्स अस्पताल के डॉक्टर ने तुरंत वेंटिलेटर पर लेने की सलाह दी। परिजन नगेश को लेकर चिड़ावा के निजी अस्पतालों के चक्कर लगाते रहे हड़ताल होने के कारण डॉक्टर उपलब्ध नहीं हुए आखिर में चिड़ावा के सरकारी अस्पताल में नगेश को भर्ती करवाया। जहां पर वेंलटीनेटर नहीं होने के चलते इलाज नहीं हो पाया। डॉक्टरों ने नगेश को मृत घोषित कर दिया।

तीन युवकों को ट्रेलर ने कुचला, मौत

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर निकटवर्ती पनियाला थाना क्षेत्र में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार जनों की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इनमें कस्बे की ढाणी डांसावाली निवासी तीन युवक भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार राजमार्ग स्थित ग्राम जैनपुरबास सोतानाला पुलिया के पास हरियाणा के अटेली थाना क्षेत्र के ग्राम ताजपुर निवासी कृष्ण कुमार (25) पुत्र बाबूलाल मेघवाल की मौत हो गई। पनियाला थाने के एएसआई रतन सिंह ने बताया कि मृतक कृष्ण कुमार जैनपुरबास में अपनी पत्नी से मिलने के लिए आया था। मृतक हरियाणा मेडीकल विभाग में कार्यरत था। जिसके राजमार्ग पर चढ़ते ही जयपुर की ओर से आ रहे ट्रेलर ने बाईक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाईक ट्रेलर के आगे जा फंसी। जिससे मृतक के दोनों पैर पुरी तरह कुचल जाने के कारण उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। हादसे के बाद राजमार्ग पर लम्बा जाम भी लग गया। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

वहीं दूसरी ओर बहरोड़ से शादी समारोह के लिए कपड़े खरीद कर लौट रहे कस्बे के श्याम मंदिर के निकट ढ़ाणी डांसावाली निवासी तीन युवकों की भी ग्राम मलपुरा स्थित केशवाना पुलिया के समीप सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस के अनुसार तीनों युवक सड़क किनारे खड़े होकर बात कर रहे थे जिन्हें एक ट्रेलर ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में विक्रम (20) पुत्र रमेश सैनी, देशराज (20) पुत्र बिरजू सैनी व अभिषेक (21) पुत्र सुरेश सैनी की ट्रेलर से कुचले जाने के कारण मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई। तीनों युवकों के परिवार में गुरूवार को शादी समारोह भी है। इस दौरान जिला अस्पताल में भारी भीड़ भी जमा हो गई।

बहन को छेड़ने पर युवक की हत्या

भीलवाड़ा, (निस)। शहर के सुभाष नगर क्षेत्र की आरके कॉलोनी में बीती देर रात बहन को छेड़ने से नाराज भाईयों ने एक युवक की बेट व बेसबॉल के डंडों से पीट-पीट कर हत्या कर दी। घटना के बाद मोहल्ले में दहशत फेल गई। इधर, सूचना मिलने के बाद एडिशनल एसपी चंचल मिश्रा, सीओ सदर रामचंद्र चौधरी, सुभाषनगर सीआई नंदलाल रिणवां, प्रतापनगर सीआई राजेन्द्र गोदारा मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और घायल युवक को हॉस्पिटल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सुभाष नगर थाना प्रभारी नंदलाल रिणवा ने बताया कि थाना क्षेत्र के आरके कॉलोनी में सत्यम कांप्लेक्स क्षेत्र में सनमून स्कूल के पास बाइक सवार बदमाशों ने विवाद के बाद इसी मोहल्ले में रहने वाले कन्हैयालाल उर्फ पिंटू कुमावत के साथ बैट और बेसबॉल के डंडों से मारपीट की जिसके कारण कन्हैयालाल बचकर भागने लगा, लेकिन कुछ मीटर की दूरी पर जाकर गिर गया और मौके पर ही दम तोड़ दिया। बाइक सवार बदमाश वारदात के बाद मौक़े से फरार हो गए, जिनमें से देर रात संजय सहित कुछ युवकों को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि मृतक कन्हैयालाल कुमावत के खिलाफ कुछ दिन पहले क्षेत्र की एक युवती को छेड़ने की शिकायत की थी। उस समय भी कन्हैयालाल के साथ युवती के परिजनों ने मारपीट की। मंगलवार रात को युवती के भाई व उसके दोस्तों ने इसी कारण से उस पर हमला किया था।

मालपुरा को जिला बनाने की मांग, सड़कों पर उतरा जनसैलाब

महारैली निकाल स्टेट हाईवे जाम कर धरना दिया, दूसरे दिन भी मालपुरा सम्पूर्ण बंद रहा

मालपुरा, (निसं)। प्रदेश की गहलोत सरकार द्वारा मालपुरा विधानसभा क्षेत्रवासियों की भावनाओं से खिलवाड़ कर मालपुरा को जिले से वंचित रखने को लेकर 11 दिन से चल रहे जनआंदोलन में बुधवार को सड़कों पर उतरे जनसैलाब ने जयपुर भीलवाड़ा स्टेट हाईवे जाम कर धरने पर बैठ सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी की।

कोर कमेटी के आव्हान पर बुधवार को दूसरे दिन भी सम्पूर्ण मालपुरा पूर्ण रूप से बंद रहा। गांधीपार्क से महारैली के रूप में रवाना हुए हजारों महिला-पुरूष हाथों में तख्तियां ले सरकार के विरूद्ध प्रदर्शन करते हुए व्यास सर्किल पहुंचे। एक घंटे से अधिक समय तक स्टेट हाईवे के व्यास सर्किल चौराहे पर चले धरना प्रदर्शन व जाम में विधायक कन्हैयालाल चौधरी, पूर्व विधायक रणवीर पहलवान, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामविलास चौधरी, पूर्व विधायक जीतराम चौधरी, गोपाल गुर्जर, अवधेश शर्मा, पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी, महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष आशा नामा, विश्व हिन्दु परिषद के अमर चन्द मैन्दवास्या, महावीर बघेरा, नन्दलाल डोई व प्रधान सकराम चौपडा, उपप्रधान मूलशंकर शर्मा, पालिका उपाध्यक्ष पवन मैन्दवास्या, कांग्रेस शहर अध्यक्ष इस्हाक नकवी सहित सभी राजनैतिक दलों के पदाधिकारी, पंच-सरपंच, सीआर-डीआर, पार्षदों ने हजारों की भीड़ के साथ स्टेट हाईवे पर धरना दे मालपुरा को जिला बनाने की मांग की।

मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन में विधायक कन्हैयालाल, पूर्व विधायक रणवीर पहलवान आदि मौजूद रहे।

आंदोलन का नेतृत्व कर रही कोर कमेटी की ओर से नौ दिन से आमरण अनशन पर बैठे स्वप्रिल भडाणा, कमल सैनी, प्रधान जाट हिन्दु ने एसडीएम महिपाल सिंह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। स्टेट हाईवे पर तीन घंटे से अधिक चले धरना व प्रदर्शन के बाद पूर्व विधायक रणवीर पहलवान मालपुरा को जिला बनाने व अस्थित्व बचाने को लेकर पांच युवकों राजेश कुमार, शिवदयाल, जीतराम व जीतु के साथ अनिश्चितकालीन अनशन व धरने पर बैठ गये। पहलवान ने कहा कि मालपुरा की जनता ने उन्हें खून से तोलकर वोट दे विधायक बनाया था। आज मालपुरावासियों को उनका हक व अधिकार दिलाने के लिए वो अनशन पर बैठ जनता का कर्ज चुकाने आये हैं। दूदू जैसी ग्राम पंचायत को जिला बना गहलोत सरकार ने दलगत व दबाव की राजनीति में आकर मालपुरा से जिला बनने का अधिकार छीना है। जिसे वापस लेने के लिए आमरण अनशन शुरू किया है। यदि समय रहते सरकार होश में नहीं आई तो गांव-ढाणी तक आंदोलन को उग्र कर जेल भरो आंदोलन करते हुए बीसलपुर के सुरजपुरा प्लांट से जयपुर सहित प्रदेश की पेयजल आपूर्ति बंद की जायेगी।

विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि पांच साल के कार्यकाल में गहलोत सरकार के समक्ष पांच दर्जन से अधिक विधानसभा क्षेत्रवासियों के हित में मांगें रखी गई लेकिन कांग्रेस सरकार ने दलगत राजनीति कर संकीर्ण मानसिकता रखते हुए मालपुरा विधानसभा क्षेत्र की एक भी मांग पूरी नहीं की गई। जिसका मुख्य कारण तीस

- पूर्व विधायक रणवीर पहलवान 5 समर्थकों के साथ अनशन व धरने पर बैठे
- नौ दिन से आमरण अनशन पर बैठे तीन युवाओं ने मौन व्रत लिया

साल से कांग्रेस की हो रही करारी हार व क्षेत्र से भाजपा का विधायक होना है। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत मेरे इस्तीफे के बाद ही मालपुरा को जिला बनाने की मानसिकता रखी है तो मैं मालपुरावासियों के हित में विधायक पद से त्याग पत्र देने में भी पीछे नहीं हटूंगा। कांग्रेस नेता रामविलास चौधरी ने कोर कमेटी के प्रतिनिधि मंडल के साथ मुख्यमंत्री से मिलने का विश्वास दिलाया। नौ दिन से अनशन कर रहे तीनों युवकों ने अन्तिम सांस तक अनशन व धरना जारी रखने की घोषणा करते हुए मौन व्रत धारण किया है। गुरूवार को टोडारायसिंह बंद रखे जाने के लिए व्यापारियों ने की घौषणा। तो विजयवर्गीय सेवा सदन में सर्व समाज के अध्यक्षों की बैठक होगी।

फंदे पर लटकी मिली विवाहिता

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के मलारना डूंगर थाना अंतर्गत ग्राम बरियारा में एक 19 वर्षीय रिंकू गुर्जर प्रेम विवाहिता फांसी के फंदे से लटकी मिली। सूचना पर मलारना डूंगर एस.डी.एम. किशन मुरारी मीणा व थाना प्रभारी राजकुमार मीणा मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे एवं शव को फंदे से नीचे उतारकर एस एफ एल टीम के साथ साक्ष जुटाए। जानकारी के अनुसार मृतका रिंकू गुर्जर (19) बाटोदा थाने के बाढ़ सोहन गांव के शैतान सिंह की पुत्री थी एवं उसके पिता ने बाटोदा थाने में 31 दिसंबर 2022 को अपनी पुत्री रिंकू की गुमशुदगी का मामला दर्ज करा रखा था। करीब 3 माह पहले ही मृतका ने खुशीराम गुर्जर निवासी बरियारा से आर्य समाज के मंदिर में प्रेम विवाह किया था।

सूचना पाकर मृतका के पिता शैतान गुर्जर मौके पर पहुंचे एवं मलारना डूंगर थाने में अपहरण व दुष्कर्म कर हत्या करने का मामला दर्ज कराया। दर्ज रिपोर्ट में बताया गया है कि 31 दिसंबर 2022 को मेरी पुत्री अचानक गायब हो गई जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट बाटोदा थाने में दर्ज कराई गई ढूंढने का प्रयास किया तब पता चला कि खुशीराम, मुन्नालाल, दिनेश, चरतलाल किशोर, धनराज व रामधन निवासी बरियारा, वदयाराम गुर्जर निवासी बाढ सोहन ने अपहरण कर लिया एवं आरोपी खुशीराम, मुन्नालाल व दिनेश ने मेरी मृतका पुत्री के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया एवं उसे छोड़ने के लिए 20 लाख की मांग की। बुधवार को मुझे मेरी पुत्री की मौत की सूचना मिली।